हिंदुस्तान 08/08/2026

नशा व मानसिक तनाव से मुक्ति में मददगार है योग

कानपुर। सीएसए में नशा मुक्ति अभियान : योग के संग–स्वस्थ युवा, सशक्त भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यूटिलिटी भवन में विवि के खेल शिक्षक नवल कुमार झा ने नशा मुक्ति में सहायक विभिन्न योगासनों एवं प्राणायामों का अभ्यास भी कराया गया। डॉ. संघमित्रा, डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह आदि रहे।

छात्राओं ने दिखाई हथकरघा की समृद्ध परंपरा

कानपुर। सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग की ओर से राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। छात्राओं ने सादी बुनाई, तिर्यक बुनाई, टोकरी बुनाई व अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया। इस मौके पर विभाग की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अंकिता यादव उपस्थित रहीं।

सीएसए में मनाया गया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

कानपुर, 7 अगस्त। सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग की ओर से राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बुनाई संरचनाओं की डिजाइनिंग विषयक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सादी बुनाई (प्लेन वीव), तिर्यक बुनाई (ट्विल वीव), साटन बुनाई, टोकरी बुनाई (बास्केट वीव) सहित अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंगों, डिजाइनों तथा धागों के संतुलित एवं कलात्मक संयोजन के माध्यम से भारतीय हथकरघा की समृद्ध परम्परा को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शित नमूनों की विभागीय शिक्षिकाओं ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वस्त्र अभिकल्पन एवं बुनाई तकनीकों में नवीन प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अंकिता यादव तथा विभागीय लिपिक दीपा बिष्ट उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था।

राव

न्द्र

सुविधाएं

श्रमिक
द श्रमिकों
ब्ध कराई
यास भी
न विभाग
। आयुक्त
कि जहाँ
जार में)
न्यूनतम
0वर्गफीट
म 1746
स्थल की
त की गई
5 निर्माण
जल एवं
गी। साथ
में भी प्री
ा जाएगा
वधा केन्द्र
ग किया
बीओसी
ाएगा एवं
सन के

चुत

कानपुर,7
चतुर्थ श्रेणी
और जलस
को लेकर
आयुक्त के
दौरान कर्म
लेकर ध
गहमागहमी
कि लंबे स
अनदेखी क
भारी मानसि

नगर निग

एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने

अमर उजाला 08/08/2026

... संकल्प लिया। (ब्यूरो)

नशा मुक्ति के लिए कराया योगाभ्यास

कानपुर। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में नशा मुक्ति अभियान : योग के संग-स्वस्थ युवा, सशक्त भारत विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें खेल शिक्षक नवल कुमार झा ने छात्रों को योगाभ्यास कराया। नशा मुक्ति में सहायक ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, बालासन, अनुलोम-विलोम और श्वासन जैसे योगासन व प्राणायाम कराए गए। इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा, डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. जया वर्मा और डॉ. ऐश्वर्या सिंह मौजूद रहीं। (ब्यूरो)

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र | एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गा

08:08:2026 | वर्ष 20 अंक 200 | RNI-No. UP

सीएसए में मनाया गया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: छात्रों द्वारा बुनाई संरचनाओं की हुई डिजाइनिंग

रहस्य संदेश | अनवर अशरफ़

कानपुर चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर "विद्यार्थियों द्वारा बुनाई संरचनाओं की डिजाइनिंग" विषयक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सादी बुनाई (प्लेन वीव), तिर्यक बुनाई (ट्विल वीव), साटन बुनाई, टोकरी बुनाई (बास्केट वीव) सहित अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया।, छात्रों ने रंगों, डिजाइनों तथा धागों के संतुलित एवं कलात्मक संयोजन के माध्यम से भारतीय हथकरघा की समृद्ध परम्परा को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शित नमूनों की विभागीय शिक्षिकाओं ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वस्त्र अभिकल्पन एवं बुनाई तकनीकों में नवीन प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विभागा की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अंकिता यादव तथा विभागीय लिपिक दीपा बिष्ट उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का शुभारम्भ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। 7 अगस्त की तिथि का चयन 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में किया गया, जिसने भारतीय हथकरघा एवं स्वदेशी वस्त्रों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय हथकरघा कला के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी में उसके प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा तैयार बुनाई नमूनों के अवलोकन तथा भारतीय हथकरघा उद्योग के संरक्षण,संवर्धन एवं प्रोत्साहन का संकल्प लेने के साथ हुआ।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 41 कानपुर, शनिवार 08 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सीएसए में मनाया गया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

छात्रों द्वारा बुनाई संरचनाओं की हुई डिजाइनिंग

कानपुर । चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर 卐विद्यार्थियों द्वारा बुनाई संरचनाओं की डिजाइनिंग卐 विषयक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक

आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सादी बुनाई (प्लेन वीव), तिर्यक बुनाई (ट्विल वीव), साटन बुनाई, टोकरी बुनाई (बास्केट वीव) सहित अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया।, छात्रों ने रंगों, डिजाइनों तथा धागों के संतुलित एवं कलात्मक संयोजन के माध्यम से भारतीय हथकरघा की समृद्ध परम्परा को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शित नमूनों की विभागीय शिक्षिकाओं ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वस्त्र अभिकल्पन एवं बुनाई तकनीकों में नवीन प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागा की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अंकिता यादव तथा विभागीय लिपिक दीपा बिष्ट उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। 7 अगस्त की तिथि का चयन 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में किया गया, जिसने भारतीय हथकरघा एवं स्वदेशी वस्त्रों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय हथकरघा कला के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी में उसके प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा तैयार बुनाई नमूनों के अवलोकन तथा भारतीय हथकरघा उद्योग के संरक्षण,संवर्धन एवं प्रोत्साहन का संकल्प लेने के साथ हुआ।

अमर भारती

06 संस्करण

एक उम्मीद

2, मूल्य: 03 रु. PRGI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शनिवार, 08 अगस्त 2026 शक सम्वत् 1948,

सीएसए में मनाया गया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

कानपुर (अमर भारती)। चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बुनाई संरचनाओं की डिजाइनिंग विषयक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सादी बुनाई (प्लेन वीव), तिर्यक बुनाई (ट्विल वीव), साटन बुनाई, टोकरी बुनाई (बास्केट वीव) सहित अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया।, छात्रों ने रंगों, डिजाइनों तथा धागों के संतुलित एवं कलात्मक संयोजन के माध्यम से भारतीय हथकरघा की समृद्ध परम्परा को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शित नमूनों की विभागीय शिक्षिकाओं ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वस्त्र अभिकल्पन एवं बुनाई तकनीकों में नवीन प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागा की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अंकिता यादव तथा विभागीय लिपिक दीपा बिष्ट उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। 7 अगस्त की तिथि का चयन 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में किया गया, जिसने भारतीय हथकरघा एवं स्वदेशी वस्त्रों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय हथकरघा कला के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी में उसके प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा तैयार बुनाई नमूनों के अवलोकन तथा भारतीय हथकरघा उद्योग के संरक्षण,संवर्धन एवं प्रोत्साहन का संकल्प लेने के साथ हुआ।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, शनिवार
8 अगस्त, 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 10
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 347 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत

सीएसए में मनाया गया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस छात्रों द्वारा बुनाई संरचनाओं की हुई डिजाइनिंग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर ष्विद्यार्थियों द्वारा बुनाई संरचनाओं की डिजाइनिंगष् विषयक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सादी बुनाई ;प्लेन वीवद्धए तिर्यक बुनाई ;ट्विल वीवद्धए साटन बुनाईए टोकरी बुनाई ;बास्केट वीवद्ध सहित अन्य आकर्षक एवं कलात्मक बुनाई संरचनाओं के नमूने तैयार कर उनका प्रदर्शन किया।ए छात्रों ने रंगोंए डिजाइनों तथा धागों के संतुलित एवं कलात्मक संयोजन के माध्यम से भारतीय हथकरघा की समृद्ध परम्परा को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शित नमूनों की विभागीय शिक्षिकाओं ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वस्त्र अभिकल्पन एवं बुनाई तकनीकों में नवीन प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागा की प्रभारी डॉण् अर्चना सिंहए प्रोण् डॉण् एकता शर्माए डॉण् अंकिता यादव तथा विभागीय लिपिक दीपा बिष्ट उपस्थित रहीं। सभी शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस का शुभारम्भ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। 7 अगस्त की तिथि का चयन 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में किया गयाए जिसने भारतीय हथकरघा एवं स्वदेशी वस्त्रों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय हथकरघा कला के संरक्षणए संवर्धन तथा नई पीढ़ी में उसके प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा तैयार बुनाई नमूनों के अवलोकन तथा भारतीय हथकरघा उद्योग के संरक्षणएसंवर्धन एवं प्रोत्साहन का संकल्प लेने के साथ हुआ।